



स्वयान कौके

पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्वी ।

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा



PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाओ,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ८६ वि.सं. २०८३ कुँवार २६ गते सोम्मार

थारु सम्वत (२६४९) [Monday 12 October 2026]

(मोल रु. ५ ।- पेज ४)

जेउरा ढारलसंगो डसिया सुरु सुदूरपश्चिम सरकार ३७ अर्ब ७० करोडके बजेट ल्यानल

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २५ कुँवार । नेपालीहुकनके महान पर्व डसिया अँटवारसे सुरु हुइल बा । डसियाके पहिल दिन घटस्थापना हो । घटस्थापनाके साइत दिनके ११ बजके ४७ मिनेटमे रहल पञ्चाङ्ग निर्णायक समिति जनैले बा ।

प्रत्येक वर्ष कुँवार शुक्ल प्रतिपदासे पूर्णिमासम हर्षोल्लास ओ धूमधामके साथ डसिया बनाजाइठ । डसियाके पहिल दिन अँटवार घर-घरमे वैदिक विधिपूर्वक डिया, कलश ओ गणेश स्थापना करके जेउरा ढारजाइठ ।

गैयाके गोबरसे लिपपोत करल पूजा कोठा अथवा डसिया घरमे पवित्र लडिया वा चोखा ठाउँमे बालु अथवा माटी ल्यानके जौ या मकै छिटके विधिपूर्वक जमरा धारजाइठ । जौ के अंकुर दुर्गा देवीके प्रिय वस्तु रहल ओरसे दुर्गाहे चढाके विजया दशमीके दिन टीका प्रसादसहित समृद्धिके प्रतीक पहुँल जेउरा ग्रहण करजाइठ ।

‘जौबाहेक ओर अन्नके जमरा ररुख शास्त्रीय विधि नैहो’

विधिपूर्वक स्थापना करल घडाउप्पर शक्तिस्वरुपा दुर्गाके पूजा आराधना कैना हुइल ओरसे आजके



दिनहे घटस्थापना कना करल हो । स्थापना करल पूर्ण कलशके जलसे अभिषेक करके विजया दशमीके दिनमे दुर्गा देवीके प्रसाद ग्रहण करजाइठ ।

कोई कोई जौ बाहेक गोहूँ ओ मकैके फे जेउरा रख करठै, मने जेउरामे जौ बाहेक और अन्न लगैना शास्त्रीय विधि नैहुइल नेपाल पञ्चाङ्ग निर्णायक समितिके पूर्वअध्यक्ष रामचन्द्र गौतम बटैठै ।

नवरात्रभर दुर्गादेवीके नौ रूपके पूजा घटस्थापनासे विजया दशमीसमके अवधिहे नवरात्र कहठै । नवरात्रभर अधिष्ठात्री देवी दुर्गाके नौ रूपके पूजा

करजाइठ ।

नवरात्रके पहिल दिन शैलपुत्री, दुसरा दिन ब्रह्मचारिणी, टिसरा दिन चन्द्रघण्टा, चौठा दिन कुम्भाण्डा, पाँचुवा दिन स्कन्धमाता, छैठौँ दिन कात्यायनी, सातुवा दिन कालरात्री, आठुवा दिन महागौरी ओ नवौँ दिन सिद्धिदात्रीके पूजा आराधना करजाइठ ।

डसियाके सातुवा दिन धार्मिक विधिअनुसार फूलपाती भित्राजाइठ । महाअष्टमी ओ महानवमीके दिन बलि पूजा करइयाके डसिया घर, कोत ओ शक्तिपीठमे बलिसहित विशेष पूजा करठै ।

नवरात्रभर दुर्गा सप्तशती चण्डी, श्रीमद्देवीभागवत ओ अन्य देवी स्तोत्र एवम् स्तुतिके पाठ करजाइठ । यी अवसरमे नवसाल भगवती, शोभा भगवती, नाला भगवती, पलाञ्चोक भगवती, भद्रकाली, मैतीदेवी लगायत देशभरके देवी मन्दिर अर्थात् शक्तिपीठमे पूजा आराधना एवम् दर्शनार्थीके भीड लागठ ।

डसिया पर्वहे असत्यउप्पर सत्य ओ आसुरी शक्तिउप्पर दैवी शक्तिके विजयके प्रतीकके रूपमे मनैना करजाइठ । दुर्गा पूजा ओ डसिया पर्व कौनो जात एवम् धर्म विशेषके कहिके शास्त्रीय रूपमे प्रमाण नैहुइल यी मानव केल्हके कल्याणके पक्षमे काम कैना शक्तिके प्रतीकके रूपमे मनैना करल धर्मशास्त्रके जानकार बटैठै ।

यी वर्षके डसियाके टीका कार्तिक ४ गते परल बा । पञ्चाङ्ग निर्णायक समितिके टीका लगैना उत्तमसाइत कार्तिक ४ गते बिहान १० बजके २६ मिनेटहे तोकल बा ।

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २५ कुँवार । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे चालु आर्थिक वर्ष २०८३ ओ ०८४ के लग ३७ अर्ब ७० करोड ३९ लाख ६६ हजार रुपयाके बजेट सार्वजनिक करले बा ।

अँटवार प्रदेशसभाके बैठकमे आर्थिक मामिलामन्त्री चक्रबहादुर मल्लसे वार्षिक बजेट प्रस्तुत करल हो चालु आर्थिक वर्ष सुरु हुइल तीन महिनापाछे प्रदेश सरकारसे बजेट ल्यानल हो । एकरआधे नेपाली कांग्रेस नेतृत्वके सरकारसे गत कुँवार १ गते ३७ अर्ब ७० करोड रुपयाके बजेट प्रस्तुत करल रहे । मने, बजेटसम्बन्धी विवादके कारण सरकार परिवर्तन हुइलपाछे उ बजेट पारित हुइ सेकल नै रहे । आधे सरकारसे प्रदेशसभामे पेश करल विनियोजन विधेयक ओ आर्थिक विधेयक फिर्ता लेना प्रस्ताव अँटवारके बैठकसे स्वीकृत हुइलपाछे

लावा बजेट सार्वजनिक करल हो ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे प्रदेशके नौ ठो जिल्लामे ‘मेड इन सुदूरपश्चिम’ नीति कार्यान्वयन कैना हुइल बा । प्रदेशके आर्थिक मामिलामन्त्री चक्रबहादुर मल्ल प्रदेशसभा बैठकमे बजेट प्रस्तुत करटी उ घोषणा करल हो ।

मन्त्री मल्लके अनुसार स्थानीयस्तरमे उत्पादित कृषि उपजके प्रवर्द्धन कैना ‘सुदूर कोशेली’ नामसे ब्रान्डिङ करना बा । इ कार्यक्रमके लग सरकारसे एक करोड २० लाख रुपया बजेट विनियोजन करल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे धनगढीस्थित सेती प्रादेशिक अस्पतालमे सुधार योजना लागू कैना हुइल बा । ओकर लग प्रदेश सरकारसे चालु आर्थिक वर्षमे साढे २५ करोड रुपया बजेट विनियोजन करल बा । प्रदेशके आर्थिक मामिलामन्त्री (बाँकी ३ पेजमे)

शनिवारिय महिला उद्यम मेलासे आम्दानीके स्रोत बहल



पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २५ कुँवार । महिलाहुके घरमे सिखल सीप ओ वर्षौसे कैटी आइल कामहे आम्दानीके स्रोत बनैना अवसर फेनसे खुल्ल बा । वर्षा ओ हावाहुरीके कारण कुछ समय रोकल धनगढीके शनिवारिय महिला उद्यम मेला कुँवार २४ गतेसे पुनः सञ्चालनमे आइल हो ।

शनिच्चरके एक कार्यक्रमके बीच धनगढी उपमहानगरपालिकाके प्रमुख गोपाल हमाल ओ उपप्रमुख कन्दकला रानाके उपस्थितिमे वडा नम्बर १ के अध्यक्ष सन्तोष मुडभरी मेलाके उद्घाटन करल हुइल ।

वर्षा ओ हावाहुरीके कारण कुछ समय बन्द हुइल मेला पुनः सञ्चालनमे आइल धनगढी उपमहानगरपालिकाके प्रमुख गोपाल

हमाल बटैलै । महिलाके सीपहे उद्यममे रूपान्तरण कैटी नियमित आम्दानीके आधार तयार कैना लक्ष्यसहित मेला सञ्चालनमे लानल हो । करिब ७० स्टल रहल मेलासे महिलाहे आपन उत्पादन उपभोक्तासम पुगैना, बजारके माग बुझना ओ अपने सीपसे आम्दानी कैना अवसर डेहल बटाइल बा ।

धरायसी काममे सीमित महिलाके सीपहे बजारसँग जोना ओ ओइनहे आर्थिक रूपमे आत्मनिर्भर बनैना उद्देश्यसे धनगढी उपमहानगरपालिकासे २०८१ सालसे इ मेला सञ्चालन कैटी आइल बा । हरेक शनिच्चरके साँझ धनगढी उपमहानगरपालिका-१ स्थित जेनजी मार्गमे लगना मेलामे महिलाहुके आपन उत्पादन बिक्री कैके आम्दानी कैना अवसर

कैलाली जिल्ला मासु, अण्डा ओ मच्छरीमे आत्मनिर्भर

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २५ कुँवार । कैलाली जिल्ला मासु, अण्डा ओ मच्छरीमे आत्मनिर्भर हुइल डेखल बा ।

पशुपन्छी तथा मत्स्य विकास निर्देशनालय भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्रसे कैलाली जिल्ला

मासु, अण्डा ओ मच्छरीमे आत्मनिर्भर हुइटी गैल डेखल जानगिल बा ।

आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के वार्षिक प्रगति सार्वजनिक करटी केन्द्रके वरिष्ठ पशु विकास अधिकृत चन्द्र कान्त पन्त कैलाली जिल्ला मासु, अण्डा ओ मच्छरीमे आत्मनिर्भर हुइल जनैलै ।

पाइल बटै ।

महिलासे रहल ज्ञान, सीप ओ कलाहे उद्यमशीलतासँग जोना उद्देश्यसे उपमहानगरपालिकासे मेला व्यवस्थापन कैटी आइल बा । शनिवारिय महिला उद्यम मेला महिलासे उत्पादन करल वस्तु बेचना थलो किल नैहोके उहाँहुकनके सीप, श्रम ओ सिर्जनशीलताहे बजारमे चिन्हैना अवसरसमेत बन्टी आइल बा ।

बिल लिने र दिने बानी बसालौं

- ❖ बिल-बीजक उपभोक्ता अधिकारको सुरक्षा हो,
- ❖ प्रत्येक खरिद, बिक्रीमा बिल-बिजकलाई खरिदको प्रमाणका रूपमा सुरक्षित राखौं,
- ❖ म्याद नाघेका, गुणस्तरहीन वा लेबल नभएका वस्तु खरिद, बिक्री नगरौं,
- ❖ वस्तु तथा सेवाको मूल्य, गुणस्तर, परिमाण र उत्पादन मिति जाँच गरेर मात्र खरिद गरौं,
- ❖ अनुचित मूल्यवृद्धि, ठगी वा कालोबजारी भएमा सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,
- ❖ जिम्मेवार उपभोक्ता र इमानदार व्यवसायी मिलेर स्वच्छ बजार निर्माण गरौं ।

सचेत उपभोक्ता बनौं, स्वच्छ र पारदर्शी बजार निर्माणमा सहयोग गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

Advanced Healthcare for all.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरु

जनरल फिजियन (पेट,छाती,मुटु) रोग विशेषज्ञ	रेडियोलोजी विशेषज्ञ	न्युरो, मास्कुल, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ	हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोलोजिस्ट
हाडजोर्नी तथा नशरोग विशेषज्ञ	जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन	स्त्री तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञ	नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ	एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ	मुख, अनुहार तथा बड्का विशेषज्ञ	मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सोन्दर्य विशेषज्ञ	मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ	मुटु रोग विशेषज्ञ	

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisargahospitalnepal.com / nisargahospitalnepal

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुढा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, वेहडी, धनगढी

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ७ स्थित किता नं. २१५ क्षेत्रफल ११८.५१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री ईश्वारा कुमारी धामीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: लिलादेवी भुल

पश्चिम: प्रेमबहादुर विष्ट

उत्तर: सडक

दक्षिण: सुनित चौधरी

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ५ स्थित किता नं. १०९९, ११०१ क्षेत्रफल १३६.०० र ६५.०० वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री हर्षकुमारी दाहालले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: सरस्वतीदेवी शाह

पश्चिम: कुमारी चन्द्रकला बोगटी

उत्तर: इन्द्रसरा रोकाया

दक्षिण: रोहित पुडासैनी

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बना
सक्नु सैद्धान्तिक तथा
व्यवहारिक ज्ञान देना
प्रयास हमार, सफलता
अपनेकै ।

सीप सिक्की, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ गुणमे अउईयाहुकनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहरुनसे मोटर साईकल,
स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके
साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा ।
समयमे सक्कु सिकाह विद्यार्थीहुकनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

• श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

• रोजगार सम्भौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।

• औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।

• समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।

• कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।

• बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।

• श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।

• असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।

• श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।

• वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

शान्तिके लाग बौद्ध ध्यान

योगके बारेमे केवल आसन ओ प्राणायामके चर्चा कैके किल नैपुगठ । योगके आत्मा मानल ध्यान ओ ओकर बौद्ध परम्परासँगके गहिर सम्बन्धहे फेन बुझ्ना आवश्यक बा । आज विश्व अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगतिके अतिरिक्त मानसिक अशान्ति, तनाव, चिन्ता, अवसाद, हिंसा ओ असन्तुलनके संकटसे गुज्रठि बा । मनैन्सँग सुविधा बा मने शान्ति नैहो सम्पत्ति बा मने सन्तुष्टि नैहो सूचना बा मने आत्मबोध नैहो, धनदौलत बा मने आनन्द नैहो । यिहे सन्दर्भमे बुद्धसे प्रतिपादन करल ध्यान ओ योगके दर्शन और ढेर सान्दर्भिक बनके रहल बा ।

स्वभाव अनुसूचके ध्यान विधि

मानसिक तवरके कैयौं समस्यासे मुक्त हुइना मनै ध्यान तथा ‘माइन्डफुलनेस’ ओर आकर्षित हुइति बटै मने बौद्ध दर्शन हजारौं वर्षआधे सब मनैन्के लाग एक ध्यान विधि उपयुक्त नैहुइना तथ्य प्रस्तुत करल रहे । लुम्बिनीके पावन भूमिमे जन्मल गौतम बुद्ध व्यक्तिके स्वभाव, सोच, भावना ओ मनोदशा अनुसार फरक फरक ध्यान अभ्यास निर्धारण करना वैज्ञानिक पद्धति विकास करले रहै ।

बौद्ध मनोविज्ञानमे ‘रागचरित’, ‘दोसचरित’, ‘मोहचरित’, ‘सद्वाचरित’, ‘बुद्धिचरित’ ओ ‘वितक्कचरित’ कैके टमान स्वभावके व्यक्तिके लाग उपयुक्त ध्यान विधि उल्लेख करल बा, उहिनसे ध्यानहे केवल आध्यात्मिक अभ्यास नैहोके मनोवैज्ञानिक उपचार पद्धतिके रूपमे स्थापित करल बा । आज विश्वभर लोकप्रिय बन्टि गैल ‘माइन्डफुलनेस’ के आधार फेन बौद्ध परम्पराके ‘आनापानसति’ जैसिन ध्यान अभ्यास हो । टमान अनुसन्धानसे नियमित ध्यानसे तनाव घटैना, भावनात्मक सन्तुलन कायम करना, एकाग्रता बहैना तथा मानसिक शान्ति प्रदान करना प्रमाणित करल बा । लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालयके सहप्राध्यापक डा. फणीन्द्रकुमार न्यौपानेके अनुसार व्यक्तिके स्वभाव अनुसार उपयुक्त ध्यान अभ्यास अपनाके यकर प्रभाव और प्रभावकारी रहठ । बुद्धसे प्रतिपादन करल ‘समस्या अनुसार समाधान’ के सिद्धान्त आजके तनावग्रस्त समाजके लाग ओत्रे सान्दर्भिक रहल कटि डा. न्यौपाने ध्यानहे केवल ट्रेंड नैहोके वैज्ञानिक ओ मनोवैज्ञानिक रूपमे प्रमाणित आत्मव्यवस्थापनके माध्यमके रूपमे लेहेपरनामे जोड डेडै । यिहिनसे सन्तुलित, शान्त ओ सचेत जीवन निर्माणमे महत्वपूर्ण भूमिका खेले सेकि ।

ध्यान : बुद्धके वैज्ञानिक खोज

बौद्ध परम्परामे ध्यान कौनो धार्मिक कर्मकाण्ड नाइहो । यी मानव मनके अध्ययन ओ रूपान्तरण करना वैज्ञानिक प्रक्रिया हो । गौतम बुद्धसे मानव दुःखके मूल कारण बाहिरी संसार नैहोके मनभित्तरके लोभ, द्वेष, मोह, तृष्णा ओ अज्ञानता रहल निष्कर्ष निकरले रहै । उ मानसिक क्लेशहे

हटैना प्रमुख साधनके रूपमे बुद्ध ध्यानहे स्थापित करलै ।

बोधिवृक्षमुनि गहिर ध्यानमार्फत बुद्धत्व प्राप्त करल सिद्धार्थ गौतम संसारहे दुःखसे मुक्त हुइना व्यावहारिक मार्ग देखैलै । चार आर्यसत्य ओ आर्य अष्टांगिक मार्गके केन्द्रमे फेन मानसिक अनुशासन ओ ध्यान रहल बा । बुद्ध मनैन्हे अन्धविश्वासमे नाइकि, अपन अनुभवमे आधारित सत्यके खोज करना प्रेरित करलै । टबेमारे बौद्ध ध्यानहे विश्वके प्राचीन मनोवैज्ञानिक उपचार पद्धतिमध्ये एक मानजाइठ । आज आधुनिक ‘न्यूरोसाइन्स’ ओ मनोविज्ञानसे समेत ध्यान मस्तिष्कके संरचना, भावनात्मक सन्तुलन ओ व्यवहारमे सकारात्मक परिवर्तन नन्ना पुष्टि करसकेल बा । हजारौं वर्षआधे

नेपाल बुद्ध जन्मल भूमि हो । लुम्बिनी, कपिलवस्तु, रामग्राम, देवदह तथा हिमालय क्षेत्र ध्यान, योग ओ आध्यात्मिक साधनाके ऐतिहासिक केन्द्र हो । ऋषिमुनिसे तपस्या करल हिमवत्खण्डहे योग ओ आयुर्वेदके उद्गमस्थलके रूपमे फेन व्याख्या करजाइठ मने विडम्बना, विश्वसे योग ओ ध्यानसे लाभ लेहेबेर नेपाल और ओकर सम्भावनाहे पर्याप्त रूपमे उपयोग करे सेकल नैहो । योग, ध्यान ओ आयुर्वेदहे शिक्षा, स्वास्थ्य ओ पर्यटनसँग जोरे सेकल देशके समृद्धिमे नयाँ आयाम थपे सेकि । विश्वभर तीव्र रूपमे विस्तार हुइतिरहल वेलनेस टुरिजम अब्बे अबौं डलरके उद्योग बनल बा । नेपाल बुद्धभूमि, हिमालय, ध्यान केन्द्र, योग साधना स्थल ओ आयुर्वेदिक उपचारहे एकीकृत करटि विश्वस्तरीय वेलनेस गन्तव्यके रूपमे अपनहे स्थापित करे सेकि । यिहिनसे स्वास्थ्य प्रवर्धनसँगै आर्थिक समृद्धिके ढोका फेन खोले सेकि ।

बुद्धसे देखाइल मार्गहे विज्ञान आज प्रमाणित करले बा ।

सबके लाग एक्के ध्यान नाइहो

बुद्धके शिक्षाके एक अद्वितीय पक्ष कलेक व्यक्तिके स्वभाव अनुसार ध्यान विधि निर्धारण करना हो । वर्तमान समयमे ‘पर्सनलाइज्ड थेरापी’ अर्थात् व्यक्तिगत उपचार पद्धतिके चर्चा हुइति बा मने बुद्ध दुई हजार पाँच सय वर्षआधे मनैन्के चरित्र, सोच ओ मनोदशा अनुसार फरक फरक ध्यान अभ्यासके व्यवस्था करले रहे ।

रागप्रधान व्यक्तिके लाग आसक्ति घटैना ध्यान, क्रोधी स्वभावके लाग मैत्री ओ करुणा ध्यान, अत्यधिक चिन्तनशील व्यक्तिके लाग श्वासप्रश्वासमे केन्द्रित ‘आनापानसति’, श्रद्धाप्रधानके लाग बुद्ध-धर्म-संघ स्मृति तथा प्रज्ञाप्रधानके लाग यथार्थ विश्लेषणमे आधारित ध्यानके व्यवस्था करल पाजाइठ । यिहिनसे ध्यानहे केवल आध्यात्मिक अभ्यास किल नैहोके मानव मनके गहिर अध्ययनमे आधारित वैज्ञानिक विधि बनाइल बा । विश्वविद्यालयमे यिहे विषयमे पठनपाठन करैटि रहल डा. न्यौपाने बौद्ध ध्यान आज विश्वभर मानसिक स्वास्थ्य सुधारके प्रभावकारी माध्यमके रूपमे स्थापित हुइति रहल बटैलै ।

योग ओ ध्यानके सम्बन्ध

योग ओ ध्यानहे छुट्टाछुटे रूपमे बुझ्ना प्रवृत्ति बहल बा । वास्तवमे योगके अन्तिम लक्ष्य चित्तके स्थिरता ओ आत्मबोध हो । महर्षि पतञ्जलिके प्रसिद्ध सूत्र ‘योगश्चित्तवृत्ति निरोधः’ अर्थात् चित्तके वृत्तिके निरोध योग हो कना कहाइसे पेन यिहे तथ्य स्पष्ट करठ । शरीरहे स्वस्थ बनैना आसन, श्वासप्रश्वासहे सन्तुलित बनैना प्राणायाम ओ मनहे स्थिर बनैना ध्यान- यी सब मिलके योगके पूर्ण स्वरूप निर्माण हुइठ । ध्यानविहीन योग केवल शारीरिक व्यायाममे सीमित हुइ सेकठ मने ध्यानसहितके योग जीवन परिवर्तन करना साधना बनठ । बौद्ध परम्पराके विषयना, ‘आनापानसति’, मैत्रीभावना तथा योग दर्शनके ध्यान

नेपाल बुद्ध जन्मल भूमि हो । लुम्बिनी, कपिलवस्तु, रामग्राम, देवदह तथा हिमालय क्षेत्र ध्यान, योग ओ आध्यात्मिक साधनाके ऐतिहासिक केन्द्र हो । ऋषिमुनिसे तपस्या करल हिमवत्खण्डहे योग ओ आयुर्वेदके उद्गमस्थलके रूपमे फेन व्याख्या करजाइठ मने विडम्बना, विश्वसे योग ओ ध्यानसे लाभ लेहेबेर नेपाल और ओकर सम्भावनाहे पर्याप्त रूपमे उपयोग करे सेकल नैहो । योग, ध्यान ओ आयुर्वेदहे शिक्षा, स्वास्थ्य ओ पर्यटनसँग जोरे सेकल देशके समृद्धिमे नयाँ आयाम थपे सेकि । विश्वभर तीव्र रूपमे विस्तार हुइतिरहल वेलनेस टुरिजम अब्बे अबौं डलरके उद्योग बनल बा । नेपाल बुद्धभूमि, हिमालय, ध्यान केन्द्र, योग साधना स्थल ओ आयुर्वेदिक उपचारहे एकीकृत करटि विश्वस्तरीय वेलनेस गन्तव्यके रूपमे अपनहे स्थापित करे सेकि । यिहिनसे स्वास्थ्य प्रवर्धनसँगै आर्थिक समृद्धिके ढोका फेन खोले सेकि ।

जीवनोपयोगी उपाय

आज नेपालसहित विश्वभर मानसिक स्वास्थ्य चुनौतीके विषय बनल बा । युवापुस्तामे चिन्ता, अवसाद, आत्मविश्वासके कमी ओ डिजिटल लत बहल बा । वृद्धवृद्धा एक्लोपन, असुरक्षा ओ टमान शारीरिक समस्यासे पीडित बटै । बालबालिकामे एकाग्रताके अभाव ओ व्यवहारगत समस्या देखाइ लागल बा । अइसिन अवस्थामे योग ओ ध्यानसे व्यक्ति, परिवार ओ समाजहे सन्तुलित बनाइ सेकि । नियमित ध्यान अभ्याससे तनाव हार्मोनके मात्रा घटाइठ, सकारात्मक सोचके विकास करठ, भावनात्मक नियन्त्रण बहैना ओ व्यक्तिके वर्तमान क्षणमा सचेत रहे सिखाइठ ।

विद्यालयमे ध्यान ओ योग अभ्याससे विद्यार्थीके एकाग्रता बहाइ सेकठ । कार्यालयमे योगसे कार्यक्षमता ओ उत्पादकत्व वृद्धि करे सेकठ । वृद्धावस्थामे योगसे शरीरहे सक्रिय, मनहे उत्साही ओ जीवनहे सकारात्मक बनैना महूत करठ । टबेमारे यी वर्षके योग दिवसके नारा

विचार

अमृत गिरी

‘स्वस्थ बुद्धौलीके लाग योग’ समयानुकूल ओ सार्थक देखाइठ ।

बुद्धभूमिमे योग ओ ध्यान

नेपाल बुद्ध जन्मल भूमि हो । लुम्बिनी, कपिलवस्तु, रामग्राम, देवदह तथा हिमालय क्षेत्र ध्यान, योग ओ आध्यात्मिक साधनाके ऐतिहासिक केन्द्र हो । ऋषिमुनिसे तपस्या करल हिमवत्खण्डहे योग ओ आयुर्वेदके उद्गमस्थलके रूपमे फेन व्याख्या करजाइठ मने विडम्बना, विश्वसे योग ओ ध्यानसे लाभ लेहेबेर नेपाल और ओकर सम्भावनाहे पर्याप्त रूपमे उपयोग करे सेकल नैहो । योग, ध्यान ओ आयुर्वेदहे शिक्षा, स्वास्थ्य ओ पर्यटनसँग जोरे सेकल देशके समृद्धिमे नयाँ आयाम थपे सेकि ।

विश्वभर तीव्र रूपमे विस्तार हुइतिरहल वेलनेस टुरिजम अब्बे अबौं डलरके उद्योग बनल बा । नेपाल बुद्धभूमि, हिमालय, ध्यान केन्द्र, योग साधना स्थल ओ आयुर्वेदिक उपचारहे एकीकृत करटि विश्वस्तरीय वेलनेस गन्तव्यके रूपमे अपनहे स्थापित करे सेकि । यिहिनसे स्वास्थ्य प्रवर्धनसँगै आर्थिक समृद्धिके ढोका फेन खोले सेकि ।

पुनर्जागरणके आवश्यकता

योग ओ ध्यानहे जीवनशैलीके रूपमे स्थापित करना जरूरी बा । विद्यालयसे विश्वविद्यालयसम योग शिक्षाहे व्यावहारिक रूपमे समावेश करे परठ । स्थानीय तह, स्वास्थ्य संस्था, बौद्ध विहार, आयुर्वेद केन्द्र ओ सामाजिक संघ संस्थासे नियमित ध्यान तथा योग अभ्यासके कार्यक्रम सञ्चालन करे परठ । विशेष कैके युवापुस्ताहे योग ओ ध्यान कौनो धार्मिक सीमाभित्तर बाँधल विषय नैहोके स्वास्थ्य, चेतना ओ व्यक्तित्व विकासके वैज्ञानिक विधि हो कना बुझैना आवश्यक बा ।

मानव सभ्यताके इतिहासमे बुद्धसे डेहल ध्यानके शिक्षा ओ योग दर्शनसे डेहल जीवनपद्धति आज फेन ओत्रे सान्दर्भिक बा । प्रविधिसे संसारहे लग्गे नन्ने बा मने मनैन्के मनहे शान्त बनाइ सेकल नैहो । यिहे शून्यता पूर्ति करना क्षमता योग ओ ध्यानसँग बा । योगहे केवल शरीर तर्कैना अभ्यासके रूपमे नाइकि स्वस्थ जीवन, मानसिक शान्ति, सामाजिक सद्भाव ओ आत्मबोधके मार्गके रूपमे आत्मसात् करे परठ । बुद्धसे सिखाइल सजगता, करुणा ओ मध्यमार्ग तथा योगसे डेहल अनुशासन, सन्तुलन ओ आत्मनियन्त्रण आजके विश्वके लाग अत्यन्त आवश्यक बा । योग ओ ध्यानके पुनर्जागरण कलेक केवल प्राचीन परम्पराके संरक्षण किल नाइहो, स्वस्थ नागरिक, शान्त समाज ओ समृद्ध राष्ट्रनिर्माणके आधार तयार करना फेन हो ।

साम्भार : गोरखापत्र दैनिकसे

जरूरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोल्लर मुर्गिनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतकथके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी केभी मासु पसल
वैद्यावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे मो. ९८११६३५६८०
एक्मुलेन्स नम्बर ९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८५४६८०८०५६, ९८५४६८०००६८, ९८५४६८०२८५
प्रहरी अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९३०१ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१४०,१०० वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९२९१,११०

ईप्राका अतरीया ०९१-४४०९२२	नेपाल बग्लादेश बैंक ०९१-४२९७८५
जिनागर प्रहरी चौकी ०९१-४२९१८३	सिटिजन बैंक ०९१-४२७८८५
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१४३	कुमारी बैंक ०९१-४२६०३८
ईप्राका मसुरिया ०९१-४०२०१४	सगरमाथा बैंक ०९१-४२८५०
ईप्राका चौमाला ०९१-६९२७०१	नेपाल इन्सोमेन्ट बैंक ०९१-४२३७०६
ईप्राका लम्की ०९१-४४०९१९	धनगढी बैंक लि.०९१-४२९२९६
ईप्राका भजनी ०९१-४८०९१९	सरकारी कार्यालय
ईप्राका सुख्खड ०९१-४२९१६६	होटल
ईप्राका मोलाखेती ०९१-४४०९२२	जिल्ला प्रशासन .०९१-४२९१०१
ईप्राका फल्तुरे ०९१-६९०३३०	जिल्ला विकास .०९१-४२३५०
ईप्राका हसुलिया ०९१-४२९१४५	नगरपालिका .०९१-४२४२९
ईप्राका पाण्डौन ९७४९०९४९०५	मालपोत.०९१-४२९२०१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६	कृषि विकास .०९१-४२९२५५, भूमि सुधार.०९१-४२९२२४
ईप्राका टीकापुर०९१-४६०९१९	जिल्ला हुलाक.०९१-४२९१५२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६५
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८	अस्पताल
	सेती अञ्चल.०९१-४२९२०१
	नवजिवन ०९१-४२९२३२/४२९७३३
	विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३५
	पद्मा धनगढी ०९१-४५०३५५
	सेवा नर्सिङ होम अतरीया ०९१-४५०७९७
	एक्मुलेन्स मसुरिया ९७४९०९८०८१
	घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
	टीकापुर अस्पताल ०९१-४२६०१४०

दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाइटी ०९१-४२९३३३
कैलाली उ.बा.संघ ४२९३३७, ४२३९७१
एक्मुलेन्स : ४२९६००
सामुदायिक एक्मुलेन्स सेग टीकापुर ९८४८४५४४४०
विद्युत : ४२९१४४
दिनेश मेडल ०९१-४२९३९२
होटल
डिमोटी ०९१-४२३९२८/४२९१३१
जगदम्बा०९१-४२३५१०, विद्या०९१-४२३२३३
लरुण ०९१-४२६६९३, सनलार्ड०९१-४२९३३६
वल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१
नागार्जुन०९१-४२२८३०/४२७९१०
नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७९२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२९२३३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३९१२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२९७०९
राजनीतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय :४२९१४४
नेकपा (एमाले) कार्यालय :४२९०१०
बसपाके काउन्टर धनगढी : ०९१-४२९२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ट्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१

नाकामे टरटिहार माने अउइयाके भीड

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, २५ कुँवार । उसैँ सुरु हुइलसँगै रोजगारीके लाग भारतके टमान सहरमे गैल नेपाली घर आइ लागल पाछे गडडाचौकी नाकामे चहलपहल बहल बा ।

भारतके टमान स्थानमे रोजगारी कैटी आइल नेपाली टरटिहवार परिवारसँग मनाइम लाग स्वदेश आइ लागल हुइल । छिमेकी मुलुक भारतके उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, पञ्जाबलागत क्षेत्रमे काम करे गैल नेपाली उसैँ मनाइक लाग घर आइ लागल बटै ।

देहरादुनमे रोजगारी कैटी आइल अछामके ढकारीके खगेन्द्र बुढा फेन आपन पाँच जाने संघरियनसँग टरटिहार मनाइक लाग घर अइटी रहल बेला गडडाचौकी नाकामे भेटल रहल । “देहरादुनमे हम्मे रोडमे काम कैटी, उसैँ मनाइ घर अइटी रहल बटी”, उहाँ कहलै, “उसैँ डेवारी मनाके फेनसे रोजगारीके लाग उहाँरे जाइ परी ।” नेपालमे रोजगारी नैहोके यहाँसे ढेर मने मजदुरीके लाग भारतके टमान सहरमे पुगना करल उहाँके कहाइ



रहल बा ।

कालीकोटके निगेन्द्र शाही फेन हिमाचल प्रदेशसे टरटिहार मनाइ घर आइल बटैलै । “हिमाचलमे खेतीपातीके काम कैटी, उहे कमाइसे घरखर्च चलल बा”, उहाँ कहलै, “उसैँ मनाइ अइटी, डेवारी पाछे फेन चलजाब ।” उहाँ आपनसँगै रोजगारीके लाग गैलहुके फेन टरटिहवार मनाइ उसैँके बेला घर अइना ओ टरटिहार पाछे रोजगारीके लाग पुनः भारत जैना करल बटैलै ।

मसुरियाके मीनबहादुर कठायत फेन भारतके दिल्लीमे सुरक्षा गार्डके काम करै । गैल बरस टरटिहार ओराके रोजगारीमे गैल उहाँ फेन उसैँ सुरु हुइलपाछे घर आइल बटै । “हरेक साल उसैँमे इहे नाका होके घर अइटी, आवतजावतमे समस्या नैहो”, उहाँ कहलै, “टरटिहारपाछे काममे जैबु ।” टरटिहारके समयमे घर अउइया यात्रुके चाप बहलपाछे यात्रुके सहजता ओ सुरक्षाहे ध्यानमे रखटी जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुरसे जिल्लाके टमान

स्थानमे नागरिक सहायता कक्षसमेत स्थापना करल बा ।

प्रहरी नायब उपरीक्षक टेकबहादुर रावत गडडाचौकी नाका होके स्वदेश अउइया नेपालीके चाप बहल बटैलै । उहाँ टरटिहारके बेला यात्रुके सुरक्षाके लाग नाकामे निगरानी बहाइल बटैलै ।

“गडडाचौकी नाका ओ महेन्द्रनगर बसपार्क सहित जिल्लाके आठ स्थानमे यात्रु सहायता कक्ष स्थापना करले बटी”, उहाँ कहलै, “नाका ओ बसपार्कमे तालिमप्राप्त कुक्कुर परिचालन कैके फेन सुरक्षा जाँच हुइटी रहल बा ।” टरटिहारके बेला हुइना आपराधिक क्रियाकलाप न्यूनीकरणके लाग प्रहरी सुरक्षा व्यवस्था कडा पारल बा ।

भारतसे अउइयामे टमान रोग सङ्क्रमणके जोखिम रहल ओरसे नाकामे स्वास्थ्य जाँचके समेत व्यवस्था मिलाइल जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय जनैले बा । भारतसे अउइयाहुकनके नाकामे डेहू, मलेरिया, एचआइभीलागतके छ प्रकारके रोगके जाँच हुइटी रहल बा ।

सुदूरपश्चिम सरकार...

चक्रबहादुर मल्ल प्रदेशसभा बैठकमे चालु आर्थिक वर्षके बजेट प्रस्तुत करटी अस्पताल सुधार योजनाके लग उ बजेट छुट्याइल जानकारी देहल हो । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे कैलालीके धनगढीस्थित फाग्ला मैदान निर्माणके लग पाँच करोड रुपया विनियोजन करल बा । प्रदेशके आर्थिक मामिलामन्त्री चक्रबहादुर मल्लसे प्रदेशसभामे चालु आर्थिक वर्षके बजेट प्रस्तुत करटी फाग्ला मैदान निर्माणके लग उ रकम छुट्याइल जानकारी देहल हो ।

संघीय सरकारमार्फत फाग्लामे क्रिकेट मैदान ओ खेलग्राम निर्माणके काम हुइटी आइल बा । उ आयोजनाहे आघे बहल प्रदेश सरकारसे अपन ओरसे पाँच करोड रुपया विनियोजन करल मन्त्री मल्ल बटैलै ।

अन्तर्राष्ट्रिय

इस्तानबुलमे भवन भस्कल पाँच जहनके मृत्यु



काठमाडौँ, २५ कुँवार । टर्कीके इस्तानबुलमे भवनके टरेक भाग भासल उप्रेक तला भग्नावशेषमे परिणत होके तीन बालबालिकासहित पाँच जहनके मृत्यु हुइल बा कलेसे नौ जहनके जीवित उद्धार करल बा । सहरके एसियाली क्षेत्रमे भवन भस्कल हो ।

गभर्नरके कार्यालयके अनुसार भग्नावशेषमे पुरल खोजी तथा उद्धार कार्य अन्तिम पीडितके शव फेला परलपाछे सम्पन्न हुइल बा । मृत्यु हुइनामे पाँच ओ १० वर्षके दुई बालिका, १२ वर्षके एक बालक तथा अन्य दुई जाने रहै । भवनके तल्लो तीन तला भासलपाछे उप्रेक चार तला फेन भग्नावशेषमे परिणत हुइल रहे ।

इस्तानबुलके उपमेयर नुरी अस्लान भवन सन् १९८७ मे निर्माण करल जानकारी डेलै । उहाँक अनुसार

भवन सन् १९८७ मे निर्माण करल जमिनटरे तला, भुईँतला ओ उ उपपरके दुई तला बनाइल रहे कलेसे बाँकी तला पाछे थपल रहे । भवन भस्कलपाछे दुर्घटनास्थल वरपर बसोबास करना ५५ जहनहे सावधानीके रूपमे सुरक्षित स्थानमे सारल बा ।

टर्कीके सञ्चार माध्यमके अनुसार भवनके भुईँतलामे रहल पसलके व्यवस्थापकसे गैल अप्रिलसे संरचनामे चिरा डेखाइल बटैले रहै । स्थानीय सञ्चार माध्यमसे कमजोर निर्माण तथा त्रुटिपूर्ण सामग्रीके कारण इस्तानबुलमे करिब एक हजार २०० ठो भवन भस्कना जोखिम रहल अनुमान करल बा । यीआघे गैल अगस्टमे फेन सहरमे एक खाली भवन भस्कल रहे । उ घटनामे भर कौनो मानवीय क्षति हुइल नैरहे ।

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लम्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायत अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिखके पठाइ सेकि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्ति, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ ।

-सम्पादक

चौमालामे एकीकृत महिला स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २५ कुँवार । कैलालीके गौरीगंगा नगरपालिकाके आयोजनामे ओरेकसंगके सहकार्यमे गौरीगंगा नगरपालिका वडा नं २ चौमलाके स्वास्थ्य चौकीमे एक दिने एकीकृत महिला स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न हुइल बा ।

उ शिविरसे महिला स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. से चेकजाँच तथा परामर्श, ७० जानेक एचपीभी डिएनए बिधिसे पाठेघरके मुखके क्यान्सर परीक्षणके लाग स्वाब संकलन, २८ जानेक भिआइए बिधिसे पुन पाठेघरके मुखके क्यान्सर परीक्षण करके पोजेटिभ डेखल १२ जानेक पाठेघरके सेकाई बिधिसे थप उपचार, ७३ जनहनहे समस्या अनुसारके निशुल्क औषधी, २ जानहे रिगड पेसिर सेवा १२२ जानेक स्तन

क्यान्सरके परीक्षण, एबलाटिभ टिटमेन्ट १२ जाने ओ जतिल समस्या हुइल ओ थप उपचार आवश्यक रहल ५ जनहनहे सेती प्रादेशिक अस्पताल सिफारिस ओ ७५ जनहनहे व्यक्तिगत परामर्श तथा सयपत्री बाटचित ५ ठो वटा लैंगिक हिंसाके घटना अभिलेखिकरण ओ १२२ जनहनहे टमान बिषयमे अभिमुखीकरण ओ सचेतना मुलक पर्चा पम्पलेट बितरण कैना कार्य हुइल ओरेक जिल्ला संयोजक गीता चौधरी जनैली । महिलाके यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याहे लाज डर ओ संकोचके विषय मन् सामाजिक सोचसे महिलाहे समस्या नुकाके बैठना बाध्य बनाइठ ।

समयमे स्वास्थ्य सेवा, परामर्श ओ सहयोग नैपाके महिलाहुके विभेद,

अपहेलना, मानसिक तनाव तथा हिंसाके जोखिममे परे सेवठै । आत्मसम्मान ओ जीवनके गुणस्तरमे नकारात्मक असर पारे सेकठ, साथे असमान शक्ति सम्बन्ध ओ सामाजिक विभेद सँग जोरेबेर हिंसाके जोखिम समेत बहे सेकठ । टबमारो महिलाके यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्यहे लाजके विषय नाही, अधिकार ओ स्वास्थ्यके महत्वपूर्ण सवालके रूपमे बुझन आवश्यक बा ।

एकीकृत महिला स्वास्थ्य शिविर मार्फत महिलाके स्वास्थ्य सेवामे सहज पहुँच सुनिश्चित करटी यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या पहिचान, परामर्श, उपचार तथा आवश्यक सेवामे पहुँच विस्तार कैना आजके आवश्यकता हो । महिलाके स्वास्थ्य, सम्मान ओ सुरक्षित जीवन सुनिश्चित कैना परिवार, समुदाय ओ सरोकारवाला सक्कुहुनके सक्रिय भूमिका आवश्यक बा । यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्यमे सहज पहुँच सुनिश्चित करटी महिलाउपपर हुइना हिंसा न्यूनीकरणके लाग एकीकृत महिला स्वास्थ्य शिविर आवश्यक रहल बा ।

यिहे क्रममे गौरीगंगा नगरपालिका वडा नं २ चौमलाके स्वास्थ्य चौकीमे १ दिने एकीकृत महिला स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न हुइल हो ।

बूढीगण्डकी बाढ : टाइम्स इनर्जीके भवन पुहगिल, १८ कर्मचारी भागके ज्यान जोगैना

काठमाडौँ, २५ कुँवार । गोरखाके सल्लेरीस्थित टाइम्स इनर्जी प्राइभेट लिमिटेडमे बूढीगण्डकीके आकस्मिक बाढसे बरबर भौतिक क्षति पुगल बा ।

१८ जाने कर्मचारीहुकनसे भर भागके ज्यान जोगाइले बटै । उ कम्पनीके ९ ठो ब्लक ओ ६ ठो पब्लिक बिल्डिङहे पुहाडेहल बा । प्रारम्भिक सूचना प्राप्त हुइलके राष्ट्रिय विपद् जोखिम न्यूनीकरण ओ व्यवस्थापन प्राधिकरणसे जनैले बा ।

आयोजनामे कार्यरत १८ जाने कर्मचारीहुकनसे भर स्थानीयसे बाढ आइना लागलके सूचन पाइलपाछे भागके ओ ज्यान जोगाइल बटै । उहाँहुके अपन उच ओ सुरक्षित ठाउँमे गिल रहल ।

उहाँहुकनहे नेपाली सेनाके हेलिकप्टरसे उद्धारके तयारी हुइटीरहलके राष्ट्रिय विपद् जोखिम



न्यूनीकरण ओ व्यवस्थापन प्राधिकरणके कार्यकारी प्रमुख डा. धर्मराज उप्रेतीसे जानकारी डेलै ।

‘प्रहरी, नेपाली सेना ओ सशस्त्र प्रहरी बल नेपालके सुरक्षाकर्मीहे अपन अपन क्षेत्रमे परिचालित बटै । अब्बे सबसे महत्वपूर्ण बाट मानवीय जीवनके रक्षा कैना हो’, प्राधिकरणका प्रमुख

डा. उप्रेती कहलै ।

नेपाली सेनाके टोलीसे जगत कना क्षेत्रसे ६ जानेहे हवाई उद्धार करसेकल जनैले बा ।

नेपाली सेनाके हवाई टोली काठमाडौँसे परिचालित हुइल बा । स्थलगत रूपमे फे सेना, सशस्त्र ओ नेपाल प्रहरीके टोली फे खटल बटै ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरु

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुस्ले, पेट दुस्ले समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुस्ले तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ☎ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१७२७, ९७६९९३२१०५

लाखौंके ट्रस्ट पुल प्रयोगविहीन

पहुरा समाचरदाता

कञ्चनपुर, २५ कुँवार । कञ्चनपुरमे ६१ लाखसे ढेर लागतमे निर्माण करल ट्रस्ट पुल प्रयोगविहीन बनल बा । यहाँके बेलौरी नगरपालिका-७ हात्तीभोजास्थित स्यालीखोलुवामे ६१ लाख १४ हजार ११६ रुपियामे निर्माण करल उ ट्रस्ट पुल प्रयोगविहीन अवस्थामे पुगल हो । बेलौरी नगरपालिका-६ ओ ७ नम्बर वडा जोना उ पुल विसं २०८० असारमे निर्माण होके सञ्चालनमे आइल रहे । ट्रस्ट पुल बनलपाछे बेलडाँडी, कुन्डा, सिङपुरलगायत स्थानीयहे बेलौरी बजार पुगक लाग सहज हुइल रहे ।

स्यालीखोलुवामे पक्की पुल नैहोके बरवार सवारीसाधन भर भन्डै पाँच किलोमिटर धुमके पनुई हुइटी बेलौरी पुगना करल रहे । उहे असहजताहे ध्यानमे रखी गत जेठमे स्यालीखोलुवामे भन्डै सात करोड लागतमे पक्की (मोटरबल) पुल निर्माण करलपाछे उ ट्रस्ट पुल भर प्रयोगविहीन बनल बा ।



बेलौरी नगरपालिका-७ के स्थानीय प्रेमलाल डगौरा स्यालीखोलुवामे पक्की पुल बनलपाछे ट्रस्ट पुलके मार्ग नै बन्द करल बटैलै । स्यालीखोलुवामे पक्की पुल बनलपाछे ट्रस्ट पुल अन्यत्र सारे पर्ना यहाँके बासिन्दा माग कैटी आइल बटै ।

स्थानीय गीता चौधरी एक स्थानमे दुई पुलके आवश्यकता नैरहल बटैली । विगतमे पक्की पुल नैहोके टिकटक भिडियो, फोटो खिचुइया मनैके भिडभाड हुइना इ क्षेत्रमे पक्की पुल

बनलपाछे भाइरल पुलके नाउँसे परिचित इ ट्रस्ट पुल हाल भर प्रयोगविहीन बनल उहाँ बटैली । बरैयास्थित गणेश माध्यमिक विद्यालयमे जउइया विद्यार्थीहे स्यालीखोलुवा समस्या कैटी अँडल ओरसे उ पुल सारे पर्ना उहाँ माग करली । स्थानीय प्रयोगविहीन पुल सारे पर्ना मागसहित जनप्रतिनिधिसँग आग्रह कैटी आइल बटै ।

दुई बरसमे निर्माण हुइल इ पुल निर्माणके लाग स्थानीय एक लाख २३

हजार बराबर जनश्रमदान करल रहित । पुल निर्माणके लाग बेलौरी नगरपालिकासे फेन सात लाख ९५ हजार रुपियाँ अनुदान डेहल रहे । स्थानीयके जनश्रमदानमे निर्माण करल ओरसे फेन इ पुल आवश्यकता रहल स्थानमे सना माग कैटी आइल बटै ।

बेलौरी नगरपालिका-६ के वडाध्यक्ष भोजराज चौधरी ७ नम्बर वडाके बासिन्दा तथा जनप्रतिनिधिसहित पुल सारक लाग नगरपालिकाहे बजेट छुट्याइना माग करल बटैलै । चालु आर्थिक बरसमे नै पुल निर्माण करल क्षेत्रसे तीन सय मिटर पश्चिम ओर सना मेरके नगरपालिकासे १० लाख छुट्याइल वडाध्यक्ष चौधरी बटैलै ।

ट्रस्ट पुल लगे नयाँ पक्की (मोटरबल) पुल बनलपाछे सर्वसाधारण ओ सवारीसाधनके आवतजावत ओहँसे हुइ लागल उहाँ बटैलै । जिहीसे ट्रस्ट पुल प्रयोगविहीन बने पुगल उहाँके कहाइ रहल बा । प्रयोगविहीन बनल इ पुल सना कार्य आगामी महिनासे आघे बहना वडाध्यक्ष चौधरी विश्वास डेले बटै । आगामी महिनासे नै सना स्थानमे पिल्लर निर्माणके काम आघे बहाजैना उहाँ बटैलै । पुल सारलपाछे गणेश माध्यमिक विद्यालयमे जउइया विद्यार्थी तथा यात्रुहे सहज हुइना अपेक्षा करल वडाध्यक्ष चौधरीके कहाइ रहल बा ।

सल्लेरी बजार बगाडेहल

गोरखा, २५ कुँवार । बुढीगण्डकी लडियामे आइलके भारी बाढसे गोरखाके सल्लेरी बजार बगाइल बा ।

स्थानीय विशाल घले डेहल जानकारी अनुसार सल्लेरी बजार बगाइलके साथे जगत बजारमेफे भारी क्षति पगल बा । चुमनुबी गाउँपालिकास्थित छेकम्पारमे गिलरात सुकबा पहिरो गिरके लडिया थुनलपाछे बाढ आइलके आशंका करल बा ।

लडियामे पानीके बहाव अत्यधिक बहलपाछे लडिया किनार ओ आसपासके क्षेत्रमे बसोबास कैना स्थानीयवासीहे तत्काल सुरक्षित ओ उच्च ठाउँमे जाइना आग्रह करल रहे ।

चुमनुबी गाउँपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत नारायण सापकोटासे अँटवार एकाबिहान लडियामे भारी आवाजसहित पानीके बहाव बहल जानकारी डेलै । बाढ तरे तटीय क्षेत्रओर जाइटीरहल उहाँ लडिया किनार ओ जोखिमयुक्त क्षेत्रमे नै बैठना सक्क जनहन अनुरोध करल बटै ।

डुनु मिर्गौला फेल हुइल चौधरीहे उपचारमे समस्या, सहयोगको अपिल



पहुरा समाचरदाता

धनगढी, २५ कुँवार । कैलालीके कैलारी गाउँपालिका-१ हरिनगर निवासी ३२ वर्षीय अनिल चौधरीके डुनु मिर्गौला फेल हुइलपाछे लम्मा समयसे उपचाररत रहल बटै । विगत एक बरससे डुनु मिर्गौलाले काम करे छोरलपाछे उहाँ नियमित रूपमे डायलाइसिस करैटी आइल बटै ।

उपचाररत चौधरीके स्वास्थ्य अवस्था जटिल बन्टी गैलपाछे २०८३ साल कुँवार १९ गतेसे सेती प्रादेशिक अस्पताल धनगढीमे उपचार हुइटी रहल उहाँके गोसिनीया निरु चौधरी जानकारी डेली । ओहकान उपचारके क्रममे अब्बे अस्पतालके सघन उपचार कक्ष (आईसीयू) मे समेत राखके उपचार हुइटी रहल उहाँ बटैली । लम्मा समयसे उपचार करैटी आइल चौधरीके उपचारमे आर्थिक समस्या डेखल बा । निरन्तर डायलाइसिस तथा अस्पतालमे उपचार कराइ पर्ना हुइल ओरसे परिवारहे आर्थिक भार परल बा । दुई बरस आघे किल भैयक मृत्यु हुइल ओ गैल जेठ ३ गते कामके सिलसिलामे भारतके रत्नागिरी गैल बेला बाबाके भारतमे

मृत्यु हुइल ओ अब्बे घरमे कमुइया कोड नैरहल ओरसे उपचारमे थप समस्या परल बा । घरमे कमुइया कोड नैहुइल ओरसे अब्बे दुईठो छाड ओ एक दुधे बालकके पालन पोषनमे समेत समस्या हुइल ओरसे ओहकान गोसिनीया निरु आर्थिक सहयोगके लाग याचना करले बटी ।

निरु इ कठिन परिस्थितिमे आपन गोसियक जीवनरक्षाके लाग सहयोगी मन हुइल व्यक्ति, संघसंस्था तथा देश-विदेशमे रहल नेपालीहे आर्थिक सहयोग कैडेना अपिल करले बटी । छोट सहयोगसे फेन उपचारमे ढेर राहत पुगे सेक्ना हुइल ओरसे सक्क जनहनहे मानवीय सहयोगके लाग उहाँ आग्रह करले बटी ।

सहयोगके लाग विवरण:

बिरामीके नाउँ : अनिल चौधरी
ठेगाना : कैलारी गाउँपालिका, हरिनगर कैलाली
सम्पर्क नम्बर : ९७१४५६२९६५
बैंकके नाउँ : कुमारी बैंक लिमिटेड, धनगढी शाखा
खाता नम्बर : ०७६०१५२५८१३००००१
गोसिनीया : निरु चौधरी

चाडपर्व खर्च अनिवार्य उपलब्ध करैना निर्देशन

काठमाडौं, २५ कुँवार । श्रम तथा व्यवसायजन्य सुरक्षा विभाग श्रमिकहे अनिवार्य रूपमे 'चाडपर्व खर्च' उपलब्ध करैना सब रोजगारदाता तथा प्रतिष्ठानहे निर्देशन डेहल बा । विभागमे कत्रा रोजगारदाता प्रतिष्ठानसे श्रमिकहे चाडपर्व खर्च उपलब्ध नैकरैना गुनासो आइल ओरसे विभागसे विज्ञप्तिमार्फत अइसिन निर्देशन डेहल हो ।

श्रम ऐनमे हुइल व्यवस्थाबमोजिम प्रचलित धर्म, संस्कृति तथा परम्परा अनुसार मनैना चाडपर्वके लाग प्रत्येक

श्रमिक खाडपाई आइल एक महिनाके आधारभूत पारिश्रमिक बराबरके रकम प्रत्येक वर्ष चाडपर्व खर्चके रूपमे पैना कानुनी व्यवस्था रहल बा ।

रोजगारदाता वा प्रतिष्ठानसे उ सुविधा उपलब्ध नैकराइलमे सुविधा नैपैना श्रमिक वा श्रमिक अपन कार्यक्षेत्र परना 'श्रम तथा रोजगार कार्यालय' वा 'श्रम तथा व्यवसायजन्य सुरक्षा विभाग' मे उजुरी तथा निवेदन डेहे सेकल बा । साथे उजुरी, गुनासो डेना विभागसे उपलब्ध कराइल बा ।



पहुरा समाचरदाता

बाजुरा, २५ कुँवार । बाजुरामे भुँइचालसे चर्काइल घरमे बास बैठल स्थानीयके मनमे फेनसे त्रास बहे लागल बा ।

२०७९/८० सालमे गैल भुँइचालसे यहाँके दर्जनौ घर भट्कनाके साथे सर्यौसे ढेर घरमे चिरा चिरा परल रहे । आर्थिक अवस्था कमजोर रहल कारण उहाँहुके मर्मत करे नैसकेके अब्बे यहाँके स्थानीय उहे चिरा परल घरमे बसोबास कैटी आइल बटै ।

गत कुँवार २१ गते रात ९:३७ बजे यहाँके बुढीगङ्गा नगरपालिकाके साविकके बाह्रबिसमे केन्बिन्दु होके ४ दशमलव १ रेक्टर स्केलके भूकम्प गैलसँग अब्बे उ चर्कल घरमे बास बैठल स्थानीयके फेनसे मनमे त्रास बहे लागल हो ।

२०८० सालमे आइल भुँइचालसे घर चिरा चिरा परल बा । उहीहे मर्मत करे

नैसकेके अब्बे सक्क परिवार ओहे घरमे बसोबास कैटी आइल बटै । शुकके रात आइल भुँइचालसे फेनसे ढक्का डेहलपाछे आ घर भट्कके ज्यान जाइट् की कना मनमे डर लागे लागल बुढीगङ्गा नगरपालिकाके स्थानीय नरेश नेपाली बटैलै । उहाँ कहलै, " उ बेला भुँइचालसे प्रभावित हुइल घर सरकारसे पुन निर्माणके लाग सहयोग कैना कहल रहे । घर जोखिम बन्टी बा । मने सहयोग भर कहौरोसे पाइल नैहुइटी ।"

पहिलाके भूकम्पसे डेहल घाउँ नैचोखैटी अब्बे फेनसे घर हिले लागलपाछे आब हिउँदके जुरारमे घर छोरेके बाहर कहाँ बैठना कना चिन्ता सुरु हुइल नेपाली बटैलै ।

इ पीडा टे नरेश नेपालीके किल नैहो । पीडा टे यहाँके जगनाथ गाउँपालिकाके स्थानीयबासीके फेन ओस्टहे रहल बा । यहाँ फेन सर्यौ घर भुँइचालसे

पहिला नै चकल बावै ।

२०८२ पुस ६ गते गैल भुँइचालसे केन्बिन्दु नै जगनाथ हो । उहे बेला यहाँके स्थानीयके ढेर घर भट्कल रहे कलेसे सर्यौसे ढेर घर चिराचिरा परल रहे । अब्बे उहाँहुके चर्कल घरमे बास बैठटी आइल बटै । गैल शुकके रात बाह्रबिसमे केन्बिन्दु बनाके गैल भुँइचालसे ओइनके मनमे फेनसे त्रास फैलल बा ।

वर्षाके समय पानीसे भट्कना हो कि कना डर रहे । अब्बे घाम लागलसँग फेनसे भुँइचाल अइना जैना करल ओ हिउँदके महिनामे फेन घरमे मजासे बास बैठे नैपैना अवस्था रहल स्थानीय आईते दमाई बटैलै । २०७९ माघ १० गतेके भूकम्पसे यहाँके गौमुल, हिमाली, बुढीगङ्गा बडीमालिका लगायतके अधिकांश घर चिरा चिरा पारल रहे ।

ओस्टके, २०८१ पुस ६ गते जगनाथ गाउँपालिकाके गोत्री केन्द्र बिन्दु बनाके ५.२ म्याग्निच्युडके शक्तिशाली भुँइचाल गैल रहे । उहीसे यहाँके १०८ से ढेर घर ध्वस्त हुइल रहे कलेसे ४६० घरमे सामान्य क्षति पुगाइल रहे ।

यहाँ बाजुरामे भुँइचालके कारण १२६ पूर्ण, १७६ आंशिक ओ ३०७ घरमे सामान्य क्षति हुइल जिल्ला प्रहरी कार्यालय बाजुराके तथ्याकडुमे उल्लेख करल बा । यहाँ भुँइचालसे मानवीय क्षति नैहुइलेसे फेन भौतिक रूपमे भर क्षति हुइना करल प्रहरी जनैले बा ।

भुँइचालसे प्रभावितके लाग करिब सात करोड रुपियाँ आइल रहे । उ रुपियाँ स्थानीय तहके खातामे राख डेहल रहि । यहाँके त्रिवेणी, हिमाली ओ खप्तड छेडेदह लगायतके कुछ भुँइचाल प्रभावितहुके उ पैसामे घर मर्मत तथा टहरा निर्माण करल जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति बाजुरा जनैले बा ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाइन्छ । कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा पश्चिम)

मो. ९८५८४२३९१२,

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

रोगाहरु:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजी रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४ घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकूलन एम्बुलेन्स, वातानुकूलन क्याबिन । २) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बोँभोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) न्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठगुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठगुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अपरेसन) । ४) हाडा(जोर्नी) तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अपरेसन)छाती, मुटु, कलेजी तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाइँएको र खुँडेको अपरेसन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि



जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-४२४५५४, ४२४६५४, ४२१२४९